डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ) दिनांक 02.11.2017

फैशन फैस्टिवल में नई डिजायन के परिधानों के प्रदर्शन ने बटोरी वाहवाही

विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर आयोजित दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत 1 नवम्बर को सांय 3:30 बजे से विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में परिसर के फैशन डिजायनिंग एवं ललित कला विभाग द्वारा ''अवध फैशल फेस्टिवल'' आयोजित किया गया था। रात लगभग 8:30 बजे तक चले इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के लगभग 200 से अधिक छात्र एवं छात्राओं ने फैशन डिजायनिंग विभाग की छात्राओं द्वारा डिजायन किए गए परिधानों का स्टेज पर जीवंत प्रदर्शन किया। चमचमाती लाइटों और बैक ग्राउंड म्यूजिक के साथ प्रोफेशनल माडलों की तरह अत्यंत अनुशासित ढंग से विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा लेटेस्ट डिजायन के परिधानों के जीवंत प्रदर्शन ने जनसमूह को लगभग साढे चार धंटे तक चले कार्यक्रम में मंत्रमुग्ध कर रखा।

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व प्राक्टर तथा एकेडमिक स्टाफ कालेज की पूर्व निदेशक प्रो0 निशि पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि प्रो0 निशात हैदर (निदेशक, इंस्टीटयूट आफ वूमेन स्टडीज) तथा माननीय कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित जी व माननीय कुलपति जी की धर्मपत्नी श्रीमती आरती दीक्षित ने संयुक्त रुप से सर्वश्रेष्ठ डिजायन के वस्त्रों तथा उनको प्रदर्शित करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। वस्त्र डिजायनिंग व प्रदर्शन के लिए राजनन्दिनी को प्रथम, विभा को द्वितीय, निदा को तृतीय तथा प्रतिमा वर्मा को सांतवना पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी क्रम में सर्वश्रेष्ठ विघार्थी का पुरस्कार विनीता सिंह को मिला।

पुरस्कार वितरण के दौरान मुख्य अतिथि प्रो0 निशि पाण्डेय ने छात्र छात्राओं के प्रदर्शन की भूरिभूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि विभाग ने जिस स्तर पर इस कार्यक्रम का प्रदर्शन किया है वह यदि किसी बडे शहर मे किया गया होता तो निश्चय ही समाचार पत्रों की हेडलाइन बनता। उन्होने कहा कि छात्राओं की प्रतिभा का जो प्रदर्शन उन्हें आज विश्वविद्यालय के सभागार में दिखा वह स्पष्ट बताता है कि कौशल विकास की दिशा में विश्वविद्यालय छात्र छात्राओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने में सफल रहा है। उन्होने कुलपति महोदय से अनुरोध किया कि विभाग के समस्त छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों को विशेष रुप से इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए पुरस्कृत करते हुए आगामी वर्ष में इससे भी वृहद स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार के साथ कार्यक्रम को आयोजित करें।

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने भी मुक्त कंठ से छात्रों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञान सिर्फ कक्षाओं में वितरित नही होता है, कला और कौशल का सटीक प्रशिक्षण और प्रदर्शन भी ज्ञान अर्जित करने का माध्यम होता है और आज के प्रदर्शन ने इस बात को पूरी तरह सिद्व भी कर दिया है।

ज्ञात हो कि उक्त फैशन फैस्टिवल के अंतर्गत खादी शो, अवध शो, डिजायनर शो और सीताराम की विशिष्ट झांकी का प्रदर्शन किया गया। फैशन फैस्टिवल में अवध क्षेत्र की क्षेत्रीयता आधारित डिजायनर कपड़ो के साथ–साथ खादी वस्त्र विन्यास तथा धरेलू उपयोग के डिजायनर कपडो के व्यापक प्रदर्शन ने जनसमूह को सम्मोहित किया। फैशन डिजायनिंग विभाग के निदेशक डा0 सुन्दर लाल त्रिपाठी ने बताया कि सभागार के मंच पर फैशन डिजायनिंग पाठयक्रम की छात्राओं द्वारा गत तीन माह से निरन्तर तैयार किए जा रहे कपडो का प्रदर्शन विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने विभाग की शिक्षिका शालिनी पाण्डेय के निर्देश में किया है। श्रीमती शालिनी पाण्डेय के साथ एक तकनीकी टीम भी तीन महीने से लगातार कार्य कर रही थी जिसमें डिजायनर रेशमा बानो, कोरियोग्राफर आशीष पाण्डेय व बृजेश शर्मा तथा कार्यक्रम निर्देशक के रुप में अभिनव पाण्डेय ने दिन रात मेहनत कर कार्यक्रम को भव्य स्वरुप दिया।

भगवान राम के वस्त्र विन्यास के साथ मो0 इरशाद तथा सीता माता के वस्त्र विन्यास के साथ कु0 काव्या तथा मुगल बादशाह शाहजहां के वस्त्र विन्यास के साथ आशीष पाण्डेय तथा मुमताज के वस्त्र विन्यास में कु0 शिवानी ने अपने प्रदर्शन से उपस्थित जनसमूह को देर तक तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया।

नोट : फोटो मेल पर संलग्न है।

मीडिया प्रभारी